भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. +*7

सोमवार, 19 जुलाई, 2021/28 आषाढ़, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा में पर्यटन स्थलों का विकास

+*7. श्री सुरेश पुजारी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या ओडिशा के झारसुगुडा जिले के कुइलिगुहर, बिक्रमखोल, गुजापहर, हीराकुड जलाशय और बारगढ़ जिले के बड़ा पहर, नृसिंहनाथ, गानियापली, घेन्श इत्यादि जैसे ऐतिहासिक महत्व के विभिन्न पर्यटक स्थलों को विकसित किए जाने की कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने पर्यटकों के आकर्षण के इन स्थलों के संरक्षण, विकास और सौंदर्यीकरण के लिए इन विरासत स्थलों का दौरा करने एवं इस संबंध में डीपीआर तैयार करने के लिए किसी विशेषज्ञ दल को भेजा है;

(घ) क्या इन ऐतिहासिक स्थलों के विकास हेतु राज्य सरकार से कोई प्रस्ताव/सुझाव प्राप्त हुए हैं; और

(ड.) यदि हां, तो इस संबंध में अब तक कितनी प्रगति हुई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ड): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

****

ओडिशा में पर्यटन स्थलों का विकास के बारे में दिनांक 19.07.2021 को लोकसभा के मौखिक प्रश्न संख्या +*7 के भाग (क) से (ड) के उत्तर में **विवरण**

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए स्वदेश दर्शन - विषय आधारित पर्यटक परिपथ का एकीकृत विकास और प्रसाद- तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन योजनाओं के तहत राज्य सरकारों/संघ क्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। योजनाओं के तहत परियोजनाओं की प्रस्तुति एक सतत प्रक्रिया है। योजना के तहत विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पहले जारी धन के उपयोग की शर्त पर स्वीकृत की जाती हैं।

(घ) और (ड़): ओडिशा के बारगढ़ जिले के बड़ा पहर, नृसिंहनाथ, गानियापली, घेन्श आदि और झारसुगुड़ा जिले के कुइलिगुहर, बिक्रमखोल, गुजापहर, हीराकुंड जलाशय के विकास के प्रस्ताव वर्तमान में पर्यटन मंत्रालय के विचाराधीन नहीं हैं। तथापि, पर्यटन मंत्रालय ने ओडिशा में स्वदेश दर्शन योजना के तहत 2016 में 70.82 करोड़ रुपए की लागत से "गोपालपुर, बरकुल, सतपाड़ा और ताम्पारा के विकास" और प्रशाद योजना के तहत 2015 में 50.00 करोड़ रुपए की एक अन्य परियोजना "पुरी में रामचंडी मंदिर के पास एकीकृत विकास" को स्वीकृति प्रदान की है ।

*****